आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 09.04.2026 समय : 1905

- दक्षिण अंडमान प्रशासन ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आवंटित भूमि के स्पष्ट कब्जे के लिए आज से सीमांकन कार्य शुरू हुआ।
- आई डी ई बूटकैम्प के चौथे दिन यू एक्स डिजाइन और स्टार्टअप पर उद्योग विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए।
- डिगलीपुर में पोषण पखवाड़ा–2026 का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के तहत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण और संतुलित आहार पर बल दिया गया।
- मायाबंदर के महात्मा गांधी राजकीय महाविद्यालय में स्वास्थ्य जागरूकता व्यख्यान में जलजनित रोगों पर विशेषज्ञों ने बचाव के उपाय बताए।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिला प्रशासन ने सभी लाभार्थियों को सूचित किया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना – ग्रामीण के अंतर्गत भूमिहीन लाभार्थियों को आवंटित भूमि का सीमांकन फरारगंज तहसील में चरणबद्ध रूप से किया जाएगा। जिससे पात्र लाभार्थियों को उनकी आवंटित भूमि पर स्पष्ट और विवाद रहित अधिकार प्राप्त हो, जिससे योजना के तहत आवास निर्माण समय पर शुरू किया जा सके। शोर प्वाइंट, बाम्बूफ्लैट–I और विंबर्लीगंज में सीमांकन कार्य आज पूरा कर लिया गया। वृन्दावन और फरारगंज में यह कार्य कल किया जाएगा। इसके बाद, 11 अप्रैल को विंबर्लीगंज, कन्यापुरम, टुश्नाबाद और नमनाघर में, 13 अप्रैल को मन्नरघाट, शोल बे, टुश्नाबाद और मिठाखाड़ी में तथा 15 अप्रैल को गुप्तापाड़ा में सीमाकंन कार्य किया जाएगा। सभी लाभार्थियों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित तिथियों पर अपने आवंटित भू–भाग पर उपस्थित रहें और आवश्यक आवंटन दस्तावेज साथ लाएँ, जिससे सीमांकन प्रक्रिया सुचारु रूप से पूरी हो सके।

<><><><><><><>

डॉ. बी. आर. आंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित IDE बूटकैम्प 2026 के चौथे दिन प्रतिभागियों को उद्योग आधारित ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उत्पाद

डिजाइन और उद्यमिता से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। प्रातः सत्र में वाधवानी फाउंडेशन की इनोवेशन वेंचर कैटेलिस्ट एवं डिजाइन थिंकिंग विशेषज्ञ अंबुमती ने उत्पाद डिजाइन और विकास की प्रक्रिया, प्री–लॉन्च रणनीतियों तथा स्टार्टअप के विकास चरण में लागत योजना के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। दिन का मुख्य आकर्षण अरुण बेपारी का सत्र रहा, जिसमें उन्होंने "डिज़ाइन टू डिलाइटः यूएक्स और एर्गोनॉमिक्स के माध्यम से उत्पाद निर्माण" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने राजधानी श्री विजयपुरम के वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते हुए उपयोगकर्ता–केंद्रित डिजाइन के महत्व को समझाया। कार्यक्रम का समापन अंकुर दास के संवाद सत्र के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने स्टार्टअप यात्रा, चुनौतियों और निर्णय प्रक्रिया से जुड़े अपने अनुभव साझा किए।

<><><><><><><>

आर्मी पब्लिक स्कूल ब्रिचगंज ने "प्रभावी संचार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 के दृष्टिकोण के अनुरूप थी, जिसमें पारंपरिक छात्र–केंद्रित, अनुभवात्मक और जिज्ञासा–आधारित शिक्षण पर बल दिया गया। कार्यशाला का संचालन शिक्षिका डॉ. पूनम टंडन ने किया। दो घंटे के सहभागिता सत्र में शिक्षकों को ऐसे प्रमाण–आधारित शिक्षण तरीकों से परिचय कराया गया, जो छात्रों की संलग्नता, जिज्ञासा और ज्ञान आधारित क्षमता को बढ़ाते हैं। कार्यशाला में अनुभवात्मक शिक्षण, सहकारी शिक्षण, समूह चर्चा और जर्नलिंग जैसे तरीके छात्रों को सिखाए गए।

<><><><><><><>

मध्योत्तर अंडमान के डिगलीपुर में एकीकृत बाल विकास सेवाएं (ग्रामीण) के अंतर्गत आज "पोषण पखवाड़ा 2026" का शुभारंभ किया गया। इस वर्ष का विषय "जीवन के पहले 6 वर्षों में मस्तिष्क का बेहतर विकास करना" रखा गया है। यह अभियान 23 अप्रैल तक चलेगा। पखवाड़े के दौरान पोषण जागरूकता शिविर, सामुदायिक बैठकें, घर–घर भ्रमण, वृद्धि निगरानी, मातृ बैठकें, रैलियां, व्यजंन प्रदर्शन, स्वास्थ्य जांच शिविर एवं परामर्श सत्र आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं के पोषण, शिशुओं के पहले एक हजार दिनों की देखभाल, स्तनपान, पूरक आहार, टीकाकरण और प्रारंभिक शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम का उद्घाटन वीएस पल्ली–III आंगनवाड़ी केंद्र में किया गया, जहाँ बाल विकास परियोजना अधिकारी इंदिरा देवी ने बच्चों के समुचित पोषण और देखभाल के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जीवन के शुरुआती वर्षों में सही पोषण बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास

की नींव रखता है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने भी संतुलित आहार, नियमित टीकाकरण और स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता पर जोर दिया।

<><><><><><><>

मायाबंदर स्थित महात्मा गांधी राजकीय महाविद्यालय में स्वास्थ्य जागरूकता विषय पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम "भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद का क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र" के वैज्ञानिकों द्वारा संचालित किया गया, जिसमें वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियों, लेप्टोस्पायरोसिस और सिकल सेल रोग पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.वी.आर. मूर्ति सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहे। सत्र की शुरुआत प्राचार्य द्वारा की गई, जिसमें उन्होंने क्षेत्रीय परिस्थितियों और जलजनित रोगों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. अपारूप दास ने लेप्टोस्पायरोसिस के कारण, बचाव एवं उपचार पर विस्तार से चर्चा की तथा सिकल सेल रोग के बारे में भी जानकारी दी। इसके बाद डॉ. के.एस. मोहम्मद समीर अली ने इसके लक्षणों और बचाव के उपायों को समझाया। वहीं डॉ. एम.जी. मदानन ने इस रोग के फैलाव और इसके स्रोतों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने भागीदारी की।

<><><><><><><>

अंडमान कॉलेज के 20 छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने ऐतिहासिक अध्ययन और सामुदायिक सेवा से जुड़े एक दिवसीय कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों ने पहले ऐतिहासिक सेलुलर जेल का शैक्षणिक भ्रमण किया और उसके बाद शोल बे–19 में स्वच्छता अभियान चलाया। सेलुलर जेल भ्रमण के दौरान छात्रों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम का गहन अध्ययन किया, विशेष रूप से विनायक दामोदर सावरकर के जीवन और योगदान पर ध्यान केंद्रित किया। छात्रों में विश्लेषणात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से उन्हें सावरकर से संबंधित विभिन्न पुस्तकों पर आधारित विस्तृत पुस्तक समीक्षा तैयार कर प्रस्तुत करनी पड़ी। इसके पश्चात छात्र शोल बे–19 पहुंचे, जहाँ उन्होंने समुद्र तट की सफाई करते हुए प्लास्टिक और अन्य कचरे को हटाया। इस दौरान छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई और तटीय पारिस्थितिकी को सुरक्षित रखने का संदेश दिया। यह पहल कॉलेज की समग्र शिक्षा नीति को दर्शाती है, जिसमें इतिहास के प्रति सम्मान के साथ–साथ सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर भी जोर दिया गया है।

<><><><><><><>